Need to set up Space Lab/Museum of ISRO in every state in the country-Laid

श्री बृजमोहन अग्रवाल **(रायपुर) :** डीएसटी और इसरो की कामयाबियों?चंद्रयान-3, आदित्य-L1, गगनयान की तैयारी, 400 से ज़्यादा विदेशी सैटेलाइट लॉन्च, और भारतीय प्राइवेट स्पेस सेक्टर की बढ़त?ने स्टूडेंट्स और युवा इनोवेटर्स में ज़बरदस्त दिलचस्पी पैदा की है । माननीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी दृष्टिकोण की वजह से पिछले एक दशक में इसरो ने नयी ऊंचाइयों को छूते हुए पूरे विश्व में एक बेंचमार्क बनाया है एवं होम ग्रोन स्टार्टअप्स की निधि जैसी योजनाओं के चलते अभूतपूर्व बढ़ोतरी हुई है । अभी स्पेस से जुड़े फॉर्मल म्यूज़ियम और विज़िटर सेंटर ISRO के कुछ कैंपस जैसे श्रीहरिकोटा, बेंगलुरु, अहमदाबाद और तिरुवनंतपुरम तक ही सीमित हैं । उत्तरी, पूर्वी, मध्य और उत्तर-पूर्वी भारत के बड़े हिस्सों में कोई स्पेस म्यूज़ियम नहीं है, जिससे लाखों विद्यार्थियों को इसका फ़ायदा नहीं मिल पा रहा । छत्तीसगढ़ में विद्यार्थियों के लिए स्पेस लैब खोलने के लिए माननीय प्रधानमंत्री जी का आभार व्यक्त करते हुए मैं सरकार से अनुरोध करता हूँ कि उन सभी राज्यों जहाँ ऐसी सुविधा नहीं है एक स्पेस लैब / म्यूजियम जिसमे डिजिटल सिमुलेटर, सैटेलाइट मॉडल, VR लॉन्च एक्सपीरियंस और हैंड्स-ऑन लैब के साथ कम से कम एक केंद्र बनाए । ये सेंटर स्टेम शिक्षा के साथ साथ स्टार्ट-अप एग्ज़िबिशन, एस्ट्रोनॉमी क्लब, इंटर्नशिप और पब्लिक आउटरीच को भी प्रोत्साहित करेंगे ।